Academic Council Date –
Item No. –

Janardan Bhagat Shikshan Prasarak Sanstha's

CHANGU KANA THAKUR

Arts, Commerce and Science College, New Panvel (Autonomous)

Re-accredited A+ Grade by NAAC (Third Cycle-CGPA-3.61)
'College with Potential for Excellence' Status Awarded by UGC
'Best College Award' by University of Mumbai

As per National Education Policy - 2020

Title of the Programme

M. A. in HINDI

(Faculty of Arts)

Syllabus for M. A. II (Hindi)

Semester III and IV

(With effect from the academic year 2024-25)

Semester –III

Name of the Programme	**:**	**M.A.-II**
Name of the Course	**:**	**MAJORC9**
Name of the Paper	**:**	**भारतीय साहित्यशास्त्र**
Paper No.	**:**	**C9**
Course Code	**:**	**PAR3HN9**
Total Lectures	**:**	**60**
Total Credit	**:**	**04**

Objective:-

1. भारतीय साहित्यशास्त्र का सामान्य परिचय
2. भारतीय साहित्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धातों का परिचय
3. हिंदी आलोचना का सामान्य परिचय

इकाई -I

I. **रस सिद्धांत** -15

परिभाषा, स्वरूप, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, सह्द्य की अवधारणा, रस के अवयव

II. **अलंकार सिद्धांत**

परिभाषा, स्वरूप, परंपरा और मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण

इकाई -II

I. **रीति सिद्धांत** **-15**

परिभाषा, स्वरूप, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, रीति और शैली, काव्य गुण

II. **वक्रोक्ति सिद्धांत**

परिभाषा, स्वरूप, वक्रोक्ति सिध्दांत की मान्यताएँ, वक्रोक्ति के भेद

इकाई -III

I. **ध्वनि सिद्धांत** -15

परिभाषा, स्वरूप, ध्वनि सिध्दांत की स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, ध्वनि और स्फोट ध्वनि में अंतर

II. **औचित्य सिद्धांत**

परिभाषा, अर्थ, स्वरूप, औचित्य के भेद, प्रमुख स्थापनाएँ स्थापनाएँ, काव्य में औचत्य का प्रमुख स्थान, महत्व

इकाई -IV

प्रमुख हिंदी आलोचकों का सामान्य परिचय -15

4.2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल :- समीक्षा सिध्दांत

4.4. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी :- समीक्षा सिध्दांत

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

अनु.क्र.	किताब का नाम		लेखक का नाम
1.	रस मीमांसा	:-	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2.	भारतीय काव्यशास्त्र	:-	डॉ.सत्यदेव चौधरी
3.	साहित्यलोचन	:-	डॉ.श्याम सुन्दरदास
4.	ध्वनि सिद्धांत और हिंदी के प्रमुख आचार्य	:-	डॉ.राय
5.	आलोचना और आलोचना	:-	डॉ.बच्चन
6.	रस सिद्धांत स्वरूप और विश्लेषण	:-	डॉ.आनन्द प्रकाश दीक्षित
7.	हिंदी आलोचना के आधार स्तंभ	:-	डॉ.रामेश्वरलाला खंडेलवाल
8.	रामचन्द्र शुक्ल और हिंदी आलोचना	:-	डॉ.रामविलास शर्मा
9.	काव्य तत्व विमर्श	:-	डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी
10.	समीक्षा शास्त्र के सिद्धांत	:-	डॉ.श्यामसुन्दर दास
11.	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन	:-	डॉ.बच्चन सिंह
12.	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त विवेचन	:-	डॉ.सत्यदेव चौधरी
13.	काव्य के रूप	:-	गुलाबराय
14.	भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा	:-	डॉ.नगेन्द्र
15.	काव्यशास्त्र एवं साहित्यलोचन	:-	डॉ. शैलेद्र कुमार शुक्ल
16.	भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत	:-	डॉ.कृष्णदेव शर्मा
17.	भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत	:-	डॉ.कृष्णदेव झारी
18.	भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत	:-	डॉ.जलंधर इंगले
19.	भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत	:-	डॉ.गोविन्द त्रिगुणायत

Semester –III

Name of the Programme	**:**	**M.A.-II**
Name of the Course	**:**	**MAJORC10**
Name of the Paper	**:**	**आधुनिक काव्य**
Paper No.	**:**	**C10**
Course Code	**:**	**PAR3HN10**
Total Lectures	**:**	**60**
Total Credit	**:**	**04**

इकाई -I **I. कामायनी :- जयशंकर प्रसाद** -15

1.1. लज्जा
1.2. श्रध्दा
1.3. इड़ा

इकाई -II **II. राग विराग :- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला संपादक डॉ.रामविलास शर्मा -15**

2.1. राम की शक्ति पूजा
2.2. सरोज-स्मृति
2.3. कुकुरमुत्ता

इकाई -III III. **साकेत :- मैथिलीशरण गुप्त (नौ वाँ सर्ग)** -15

3.1. लेखक का सामान्य परिचय
3.2. साकेत की कथावस्तु
3.3. साकेत में विरह वर्णन
3.4. साकेत में भाव-पूर्ण प्रसंग
3.5. साकेत में चरित्र-चित्रण
3.6. साकेत की शैली
3.7. हिंदी काव्य में साकेत का स्थान

इकाई -IV **IV उर्वशी :- रामधारी सिंह दिनकर (तीन सर्ग)** -15

4.1. लेखक का समान्य परिचय
4.2. उर्वशी की कथावस्तु
4.3. उर्वशी में पात्र एवं चरित्र चित्रण
4.4. उर्वशी में प्रकृति-चित्रण
4.5. उर्वशी में सौन्दर्य-चित्रण
4.6. उर्वशी में प्रेमाभिव्यंजना
4.7. उर्वशी में नारी का स्वरूप
4.8. उर्वशी की ऐतिहासिकता
4.9. उर्वशी का दर्शन-पक्ष
4.10. उर्वशी का प्रतीक विधान
4.11. उर्वशी का काव्य-सौन्दर्य

Semester –III

आधुनिक काव्य Modern Poetry

M.A.-II MAJORC10

प्रश्न 1.	सन्दर्भ सहित व्याख्या (इकाई एक और दो में से विकल्प के साथ)	12
प्रश्न 2.	सन्दर्भ सहित व्याख्या (इकाई तीन और चार में से विकल्प के साथ)	12
प्रश्न 3.	दिर्घोत्तरी प्रश्न (इकाई एक और दो में से विकल्प के साथ)	12
प्रश्न 4.	दिर्घोत्तरी प्रश्न (इकाई तीन और चार में से विकल्प के साथ)	
प्रश्न 5.	वस्तुनिष्ठ प्रश्न (इकाई एक से लेकर चार तक में से)	12
	1.अतिलघुत्तरी प्रश्न	06
	2.बहुविकल्पीय प्रश्न	06

	आंतरिक मूल्यांकन	४०
१.	कक्ष परीक्षा	20
२.	कक्षा में उपस्थिति	05
२.	इनमें से किन्हीं दो विषयों की परियोजना	15
	१.समूह/व्यक्तिगत सर्वेक्षण परियोजना	
	२.चयनित विषयों पर प्रस्तुतिकरण और लेखन	
	३.ट्यूटोरियल पर आधारित केस स्टडी / टेस्ट	
	४.पुस्तक समीक्षा / कविता प्रशंसा / ओपन बुक टेस्ट	

Semester –III

Name of the Programme	**:**	**M.A.-II**
Name of the Course	**:**	**MAJORC11**
Name of the Paper	**:**	**जनसंचार माध्यम**
Paper No.	**:**	**C11**
Course Code	**:**	**PAR3HN11**
Total Lectures	**:**	**60**
Total Credit	**:**	**04**

इकाई -I **I संचार और जनसंचार** -10

1. संचार का अर्थ
2. संचार की परिभाषा
3.
4. संचार की प्रक्रिया के तत्व
5. जनसंचार का अर्थ, स्वरूप, विशेषताएँ
6. जनसंचार का महत्व
7. सामाजिक परिवर्तन में जनसंचार की भूमिका

इकाई -II II. **जनमाध्यम** -10

1. जनमाध्य अर्थ, परिभाषा, महत्व
2. जनमाध्यमों का कार्य और अपेक्षाएँ
3. जनमाध्यमों के प्रकार
4. सामाजिक परिवर्तन में जनमाध्यमों की भूमिका

इकाई -III **III. मुद्रित माध्यम** **-30**

1. सामान्य परिचय
2. समाचार-पत्र और पत्रिकाओं का स्वरूप
3. मुद्रित माध्यमों का संगठन, स्वामित्व एवं प्रबन्धन
4. समाचार-संकलन, प्रस्तुति एवं रिपोर्ट-लेखन
5. संवाद समितियों की संरचना

इकाई -IV **IV. इलेट्रोनिक माध्यम** -10

1. सामान्य परिचय
2. इलेट्रोनिक माध्यम के विविध रूप- रेडियो, टेलीविजन, सिनेमा, इंटरनेट
3. समाज और संस्कृति के विकास में इलेट्रोनिक माध्यमों की भूमिका

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

अनु.क्र.	किताब का नाम		लेखक का नाम
1.	जनसंचार माध्यम	:-	गौरीशंकर रैना
2.	मीडिया लेखन	:-	सुमित मोहन
3.	नये जनसंचार माध्यम और हिंदी	:-	सुधीर पचौरी अंचला नागर
4.	मीडिया और जनसंवाद	:-	वर्तिका नंदा
5.	जनसंचार सिद्धांत और अनुप्रयोग	:-	विष्णु राजगढायाँ
6.	आधुनिक विज्ञापन	:-	पुष्पदन्त
7.	विज्ञापन	:-	पातंजलि
8.	मीडिया और बाजारवाद	:-	संपादक:रामशरण जोशी
9.	भारत में जनसंचार और प्रसारण मीडिया	:-	मधुकर लेले
10.	फीचर लेखन स्वरूप और शिल्प	:-	डॉ.मनोहर प्रभाकर
11.	पत्रकारिता और पत्रकारिता	:-	डॉ.अरुण जैन
12.	मीडिया लेखन	:-	विजय कुलश्रेष्ठ
13.	आधुनिक जनसंचार माध्यम और हिंदी	:-	डॉ.हरिमोहन
14.	इलेक्ट्रोनिक माध्यम रेडियो और दूरदर्शन	:-	डॉ.राममोहन पाठक
15.	समाचार लेखन और संपादन कला	:-	डॉ.हरिमोहन
16.	संचार माध्यम लेखन	:-	गौरीशंकर रैना
17.	मीडिया लेखन	:-	डॉ.चन्द्रकांत मिश्र
18.	इलेक्ट्रोनिक मीडिया और हिंदी	:-	डॉ.रेश्मा नदाफ
19.	प्रयोजन मूलक हिंदी अधुनातन आयाम	:-	डॉ.अंबादास देशमुख
20.	प्रयोजनमू लक हिंदी के आधुनिक आयाम	:-	डॉ.महेंद्र सिंह राणा
21.	जनमाध्यम प्रौद्योगिकी और विचारधारा	:-	जगदीश्वर चतुर्वेदी
22.	संचार माध्योम का वर्ग चरित्र	:-	रेमंड विलियम्स
23.	संचार माध्यमों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य	:-	जवरीमल पारख
24.	टेलीविजन की कहानी	:-	श्याम कश्यप, मुकेश कुमार

Semester –III

Name of the Programme	**:**	**M.A.-II**
Name of the Course	**:**	**MAJORC12**
Name of the Paper	**:**	**हिंदी साहित्य में विमर्श (किसान विमर्श)**
Paper No.	**:**	**C12**
Course Code	**:**	**PAR3HN12**
Total Lectures	**:**	**30**
Total Credit	**:**	**02**

1. **ढलती साँझ का सूरज –मधु कांकरिया**

इकाई -I **I किसान विमर्श** -15

1. अवधारणा
2. परिभाषा
3. स्वरूप
4. विकास

इकाई -II **II. ढलती साँझ का सूरज -मधु कांकरिया** -15

1. लेखक का सामान्य परिचय
2. कथावस्तु
3. पात्र-चरित्र चित्रण
4. ग्रामीण जीवन की गरीबी और अभाव का वर्णन
5. ग्रामीण जीवन की कुरीतियों और शोषण का वर्णन
6. सत्ता और बाजार का प्रकोप
7. भारतीय सिस्टम और किसान
8. किसान जीवन का द्वंद्व और जीवन की संभावनाओं की यात्रा
9. कृषक जीवन की त्रासदी का वर्णन

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Semester-III

M.A. MajorC12

हिंदी साहित्य में विमर्श (किसान विमर्श)

	कुल अंक	30
	समय :	1:00 घंटे
प्रश्न २.	ईकाई दो में से विकल्प के साथ सन्दर्भ सहित व्याख्या	10
प्रश्न १.	इकाई एक पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	10
प्रश्न ३.	इकाई दो पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	10
	आंतरिक मूल्यांकन	20
	1. कक्षा में उपस्थिति	05
	2. इकाई तीन पर प्रात्यक्षिक के रूप में सृजनात्मक लेखन	15

Semester –III

Name of the Programme	**:**	**M.A.-II**
Name of the Course	**:**	**Elective1**
Name of the Paper	**:**	**राष्ट्रीय काव्य धारा**
Paper No.	**:**	**1**
Course Code	**:**	**PAR3HN1**
Total Lectures	**:**	**60**
Total Credit	**:**	**04**

इकाई -I I **राष्ट्रीय काव्य धारा** -10

1. उद्भव
2. विकास

इकाई -II II. **राष्ट्रीय काव्य धारा के प्रमुख कवियों का परिचय** -10

1. मैथिलीशरण गुप्त
2. माखनलाला चतुर्वेदी
3. सोहनलाल द्विवेदी
4. सुभद्रा कुमारी चौहान
5. रामधारी सिंह दिनकर
6. बालकृष्ण शर्मा नवीन

इकाई -III **III. प्रमुख कविताएँ** **-30**

1. मनुष्यता :- मैथिलीशरण गुप्त

2. पुष्प की आभिलाषा :- माखनलाला चतुर्वेदी

3. हिमालय :- सोहनलाल द्विवेदी

इकाई -IV **IV.** -10

1. झाँसी की राणी :- सुभद्रा कुमारी चौहान
2. सिंहासन खाली करो कि जनता आती है :- रामधारी सिंह दिनकर
3. कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ :- बालकृष्ण शर्मा नवीन

Semester –III

Name of the Programme	**:**	**M.A.-II**
Name of the Course	**:**	**Elective1**
Name of the Paper	**:**	**भारतीय संत साहित्य**
Paper No.	**:**	**1**
Course Code	**:**	**PAR3HN1**
Total Lectures	**:**	**60**
Total Credit	**:**	**04**

इकाई -I **I भारतीय संत साहित्य** **-10**

1. उद्भव
2. विकास
3. विशेषताएँ

इकाई -II **II.** **-10**

१. संत कबीरदास

१. दुलहनी गावहु मंगलाचार। कहै कबीर हंम ब्याहि चले हैं, पुरिख एक अबिनासी ॥

२. अकथ कहानी प्रेम की, कछू कही न आई।आँवन जाँनी मिटी गई, मन मनहि समाई॥

३. संतो देखत जग बौराना। केतिक कहौ कहा नहिं मानै, सहजै सहज समाना ।।

४. सन्तों आई आई ग्यांन की आँधी रे। कहै कबीर मनि भया प्रगासा उदै भानु जब चिनां॥

२. गुरु नानक देव

१. जो नर दुख में दुख नहिं मानै। नानक लीन भयो गोबिंद सों, ज्यों पानी सँग पानी॥
२. जगत में झूठी देखी प्रीत। नानक भव-जल-पार परै जो गावै प्रभु के गीत॥
३. या जग मित न देख्यो कोई। नानक लाज बिरद की राखौ नाम तिहारो लीन्हौ॥
४. हरि बिनु तेरो को न सहाई। नानक कहत जगत सभ मिथिआ ज्यों सुपना रैनाई॥

३. संत मीराबाई

१. बसौं मेरे नैनन में नन्दलाल| मीराँ के प्रभु संतन सुखदाई, भक्त वछल गोपाल॥

२. मेरे तो गिरिधर गोपाल दुसरो न कोई। दासि मीराँ लाल गिरिधर, तारो अब मोहि ॥

३. मैं तो गिरिधर के घर जाऊँ। मीराँ के प्रभु गिरिधर नागर, बार-बार बलि जाऊँ॥

४. हे री मैं तो दरद –दीवानी मेरा दरद न जानै कोय। मीराँ की प्रभु पीर मिटैगी, जद बैद सांवलिया होय॥

इकाई -III **III.** **-30**

१. संत नामदेव

१. गहरी करिके नीब खुदाई ऊपरि मंडप छाए।क्रिपा करी जन अपने ऊपर नामदेऊ हरिगुन गाए॥
२. माइ न होती बापु न होता करमु न होती काइआ।। नामा प्रणवै परम ततु है सतिगुर होइ लखाइआ॥
३. भैरऊ भूत सीतला धावै।। प्रणवै नामा इऊ कहै गीता।।
४. असुमेध जगने।। तुला पुरख दाने।। प्राग इसनाने।। सिमरि सिमरि गोबिंदं।। भजु नामा तरसि भव सिंधं॥

२. शंकरदेव

१. ब्राह्मण क्षत्रिय वैश्य इटो तिनि जाति । एतेके कलित शूद्र कैवर्त प्रधान।। '

२. जिटो महा मलेच्छ खाइ कुकुरक मारि । मोहोर वाक्यर सखि लैयोक प्रमाण ।।

३. हामु चित्तवित्त नित हामाकु धियाना । हरि बिन सुह्रद बान्धव नाहि कोइ ।।

४. याहे वियोग आगि अंग तावय तिल एकु रहये न पारि । गोपिनी प्रेम परशि पीर झुरय,शंकर कह गुणगाथा '।।

३. संत तुकाराम

१. मैं भूली घर जानी बाट। भागा रे सब मन का धोका॥

२. अल्ला करे सो होय बाबा, करतार का सिरताज। कहे तुका जो नर बुझे, सोहि भया दरवेस॥

३. हरि बिन रहिया न जाए जिहिरा। पासी आऊँ फेर न जाऊँ॥

४. सँभाल यारा ऊपर तले दोनों मार की चोट। मिलावे तो उसे देना, वोही चढ़ावे हात॥

इकाई -IV IV. -10

1. तिरुवल्लुवर

१. तप-प्राप्र धन भी मिले, फिर भी साधु-सुजान ।
हानि न करना अन्य की, मानें लक्ष्य महान ॥

२. 'बुरा किया कारण बिना', करके यही विचार ।
किया अगर प्रतिकार तो, होगा दुःख अपार ॥

३. कोई समझे जब स्वयं, बुरा फलाना कर्म ।
अन्यों पर उस कर्म को, नहीं करे, यह धर्म ॥

४. जिससे अपना अहित हो, उसका है दृढ़ ज्ञान ।
फिर अन्यों का अहित क्यों, करता है नादान ॥

५. दिया सबेरे अन्य को, यदि तुमने संताप ।
वही ताप फिर साँझ को, तुमपर आवे आप ॥

६. जो दुःख देगा अन्य को, स्वयं करे दुःख-भोग ।
दुःख-वर्जन की चाह से, दुःख न दें बुध लोग ॥

2. अक्कमहादेवी

१. जैसे रेशम का कीड़ा, कामना से भरा मेरा हृदय॥

२. चिंगारी उड़ेगी अगर, ओ मल्लिकार्जुन!

३. घर में पति, दूसरे में धनुष।

४. क्यों चाहिए मुझे,ओ मल्लिकार्जुन!

3. बसवेश्वर

१. धनवान तो बनायेंगे , वो चलती रहेगी ।

२. क्या फर्क पड़ेगा , हे संगम देव ।

३. साँप टेढ़ा चलता है , हे संगम देव ।

४. करो कुछ भी, हे संगम देव ।

Semester –IV

Name of the Programme	:	M.A.-II
Name of the Course	:	MAJORC13
Name of the Paper	:	पाश्चात्य साहित्यशास्त्र
Paper No.	:	C13
Course Code	:	PAR4HN13
Total Lectures	:	60
Total Credit	:	04

Objective:-

1. पाश्चात्य साहित्यशास्त्र का विकासात्मक परिचय
2. पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धातों का परिचय
3. पाश्चात्य काव्य समीक्षा के आधुनातन आयामों को स्पष्ट करना
4. पाश्चात्य काव्य समीक्षकों का सामान्य परिचय

इकाई -I I -10

1. **प्लेटो :-** अनुकरण सिध्दांत
2. **अरस्तु :**-अनुकरण सिध्दांत, त्रासदी और विरेचन सिध्दांत
3. प्लेटो और अरस्तु के अनुकरण विषयक विचारों की तुलना

इकाई -II -10

टी.एस.इलियट :- निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, परंपरा की परिकल्पना, वैयक्तिक प्रज्ञा, वस्तुनिष्ठ समीकरण

आई. ए.रिचर्ड्स:- व्यावहारिक आलोचना, रागात्मक अर्थ संवेगों का संतुलन, संप्रेषण

इकाई -III **-30**

सिगमंड फ्रायड :- मनोविश्लेषण-मन के स्तर, व्यक्तित्व के उपतंत्र, फ्रायड की मनोलैंगिक विकास की अवस्थाएँ, मनोविश्लेषण सिध्दांत की अध्ययन प्रविधियाँ, मनोविश्लेषण सिध्दांत की विशेषताएँ, फ्रायड का मनोविश्लेषण सिध्दांत

जाँ पॉल सार्त्र :- अस्तित्ववाद का उद्भव, अर्थ, परिभाषा, अस्तित्ववाद की मुख्य मान्यताएँ, अस्तित्ववाद की विशेषताएँ, अस्तित्ववाद की आधारभूत अवधारणाएँ, अस्तित्ववाद में शिक्षा, अस्तित्ववाद में शिक्षा के उद्देश्य, अस्तित्ववाद में शिक्षण विधियाँ, अस्तित्वाद में अध्यापक की भूमिका, अस्तित्वाद में छात्र की भूमिका, अस्तित्वाद में अनुशासन का महत्व

इकाई -IV --10

4.1. मार्क्सवाद
4.2. यथार्थवाद
4.3. स्वछंदतावाद

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

अनु.क्र.	किताब का नाम		लेखक का नाम
1.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	:-	डॉ.भगीरथ मिश्र
2.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	:-	आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा
3.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	:-	डॉ.निर्मला जैन
4.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत	:-	डॉ.मैथिलिप्रसाद भारद्वाज
5.	भारतीय काव्यशास्त्र	:-	डॉ.विजयपाल सिंह
6.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	:-	डॉ.विजयपाल सिंह
7.	संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र	:-	गोपीचंद नारंग
8.	अस्तित्ववाद, अस्तित्ववाद क्या है?, ||what is existentialism?, B.Ed first year 2023 (youtube.com)	:-	YouTube Bed Vale

Semester –IV

Name of the Programme	**:**	**M.A.-II**
Name of the Course	**:**	**MAJORC14**
Name of the Paper	**:**	**समकालीन काव्य**
Paper No.	**:**	**C13**
Course Code	**:**	**PAR4HN14**
Total Lectures	**:**	**60**
Total Credit	**:**	**04**

इकाई -I **I** **प्रतिनिधि कविताएँ -नागार्जुन संपादक-अशोक वाजपेयी** -15

1. कालिदास
2. बादल को घिरते देखा है
3. अकाल और उसके बाद

इकाई -II **II.** **सच्चिदानंद हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'** -15

1. कितनी नावों में कितनी बार
2. असाध्य वीणा
3. कलगी बाजरे की

इकाई -III **III.** **गजानन माधव मुक्तिबोध** **-15**

1. भूल गलती
2. ब्रम्हराक्षस
3. अँधेरे में

इकाई -IV **IV.** **सुदामा पाण्डेय धूमिल** --15

1. मोचीराम
2. अकाल दर्शन
3. रोटी और संसद

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

अनु.क्र.	किताब का नाम		लेखक का नाम
1.	कामायनी का पुनर्मुल्यांकन	:-	डॉ.रामस्वरूप चतुर्वेदी
2.	कामायनी एक पुनर्विचार	:-	मुक्तिबोध
3.	कामायनी पढ़ते हुए	:-	अशोक प्रियदर्शनी
4.	कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ	:-	` डॉ. नगेन्द्र
5.	कामायनी मूल्यांकन और मूल्यांकन	:-	डॉ.इन्द्रनाथ मदान
6.	आधुनिक कविता का पुर्नपाठ	:-	डॉ.करुणाशंकर उपाध्याय
7.	प्रसाद निराला अज्ञेय	:-	डॉ.रामस्वरूप चतुर्वेदी
8.	मुक्तिबोध की काव्यदृष्टि	:-	डॉ.सुरेश रितपूर्ण
9.	निराला और मुक्तिबोध:चार लंबी कविताएँ	:-	नन्दकिशोर नवल
10.	मुक्तिबोध:ज्ञान और संवेदना	:-	नन्दकिशोर नवल
11.	मुक्तिबोध की कविताएँ	:-	डॉ.अशोक चक्रधर
12.	नई कविता:निराला अज्ञेय और मुक्तिबोध	:-	विद्या सिन्हा
13.	निराला के काव्य का राजनीतिक सन्दर्भ	:-	डॉ.संध्या सिंह
14.	समकालीन हिंदी कविता:अज्ञेय और मुक्तिबोध के सन्दर्भ में	:-	शशी शर्मा
15.	निराला कृति से साक्षात्कार	:-	नन्दकिशोर नवल
16.	निराला	:-	रामविलास शर्मा
17.	मुक्तिबोध : कविता व् जीवन विवेक	:-	चन्द्रकांत देवताले
18.	प्रसाद का काव्य	:-	प्रेमशंकर
19.	कामायनी की आलोचना प्रक्रिया	:-	डॉ.गिरिजा राय
20.	हिंदी काव्य का इतिहास	:-	डॉ.रामस्वरूप चतुर्वेदी
21.	आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास	:-	हेतु भारद्वाज
22.	आधुनिक कविता और युग सन्दर्भ	:-	शिवकुमार मिश्र
23.	निराला :एक पुनर्मुल्यांकन	:-	सं.ए.अरविंदाक्षन

Semester –IV

Name of the Programme	**:**	**M.A.-II**
Name of the Course	**:**	**MAJORC15**
Name of the Paper	**:**	**हिंदी पत्रकारिता**
Paper No.	**:**	**C15**
Course Code	**:**	**PAR4HN15**
Total Lectures	**:**	**60**
Total Credit	**:**	**04**

इकाई -I **I स्वतन्त्रता पूर्व हिंदी पत्रकारिता** -15

1. सामान्य परिचय, हिंदी प्रेस का उदय और परिस्थितियाँ
2. स्वतन्त्रता संग्राम और हिंदी पत्र-पत्रिकाओं की भूमिका, उनका सामाजिक प्रभाव
3. स्वतन्त्रता पूर्व हिंदी पत्र-पत्रिकाओं की तकनीक, प्रबन्धन और चुनौतियाँ
4. स्वतन्त्रता पूर्व हिंदी पत्र-पत्रिकाओं में विषयगत एवं भाषागत बदलाव

इकाई -II **II. स्वतन्त्रता पश्चात हिंदी पत्रकारिता** -15

1. स्वतन्त्रता पश्चात हिंदी पत्रकारिता का विकास, प्रेस संबंधी सरकारी नीतियाँ
2. आजादी के बाद जनतंत्र एवं विकास की चुनौतियाँ और हिंदी प्रेस, हिंदी प्रेस का सामाजिक प्रभाव
3. आपातकाल: प्रेस और अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता, क्षेत्रिय हिंदी पत्रकारिता का विकास एवं विस्तार

इकाई -III **III. 1975 से 1990 की हिंदी पत्रकारिता** **-15**

1. राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तन और हिंदी पत्र-पत्रिकाएँ
2. हिंदी पत्रकारिता के कंटेंट, तकनीक, स्वामित्व और पत्रकारीय सेवा-शर्तों में बदलाव
3. ले-आउट, डिजाइन, मुद्रण, भाषा में परिवर्तन

इकाई -IV **IV. 1990 के बाद की हिंदी पत्रकारिता** -15

1. उदारीकरण और हिंदी पत्रकारिता, डिजिटलीकरण, ऑनलाइन हिंदी पत्र-पत्रिकाओं का स्वरूप
2. हिंदी पत्रकारिता का व्यवसायीकरण, न्यूज उत्पाद, पॅकेज, पेड़ न्यूज, विज्ञापन और अखबार के रिश्ते
3. हिंदी पत्रकारिता के समक्ष चुनौतियाँ एवं ज्वलंत मद्दे :- सामाजिक न्याय, नागरिक आधिकार, अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता, आदलत की अवमानना, स्त्री, दलित, आदिवासी एवं वंचत वर्ग के मद्दे
4. वर्तमान हिंदी पत्रकारिता में कंटेंट और भाषा के बदलाव

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

अनु.क्र.	किताब का नाम		लेखक का नाम
1.	भारत प्रेस	:-	जी.एस.भार्गव
2.	हिंदी पत्रकारिता का बृहद इतिहास	:-	डॉ.अर्जुन तिवारी
3.	भारत की समाचार पत्र क्रान्ति	:-	राँबिन जेफ्री
4.	भारतीय प्रेस : १९५५ से अब तक	:-	शंकर भट्ट
5.	मीडिया और बाजारवाद	:-	रामशरण जोशी
6.	मीडिया की परख	:-	सुधीर पचौरी
7.	पत्रकारिता के परिप्रेक्ष्य	:-	राजकिशोर
8.	मीडिया के पचास वर्ष	:-	प्रेमचन्द पातंजलि
9.	हेड्नाइन्स फ्रेम हार्टलैंड	:-	सेवंती नेनन
10.	सीढियां चढ़ता मीडिया	:-	माधव हाडा
11.	सुचना क्रान्ति की राजनीति और विचारधारा	:-	सुभाष धुलिया

Semester –IV

Name of the Programme	**:**	**M.A.-II**
Name of the Course	**:**	**Elective2**
Name of the Paper	**:**	**रचनाकार का विशेष अध्ययन:-भीष्म सहानी**
Paper No.	**:**	**2**
Course Code	**:**	**PAR4HN2**
Total Lectures	**:**	**60**
Total Credit	**:**	**04**

1. तमस (उपन्यास)
2. कबिरा खड़ा बाजार में (नाटक)
3. प्रतिनिधि कहानियाँ

इकाई -I **I भीष्म सहानी** -15

1. लेखक का जीवन परिचय

इकाई -II **II. तमस (उपन्यास)** -15

1. कथावस्तु
2. पात्र एवं चरित्र चित्रण
3. साम्प्रदायिकता
4. समस्याएँ
5. विभाजन की त्रासदी

इकाई -III **III. कबिरा खड़ा बाजार में (नाटक)** **-15**

1. कथावस्तु
2. पात्र एवं चरित्र-चित्रण
3. उद्देश्य
4. सामाजिक परिप्रेक्ष्य
5. मूल संवेदना

इकाई -IV **IV. प्रतिनिधि कहानियाँ** -15

1. वाङ्चू
2. निशाचर
3. चीफ की दावत
4. भटकती राख
5. अमृतसर आ गया

Semester –IV

Name of the Programme	**:**	**M.A.-II**
Name of the Course	**:**	**Elective2**
Name of the Paper	**:**	**रचनाकार का विशेष अध्ययन:-मुंशी प्रेमचन्द**
Paper No.	**:**	**2**
Course Code	**:**	**PAR4HN2**
Total Lectures	**:**	**60**
Total Credit	**:**	**04**

1.	**रंगभूमि (उपन्यास)**
2.	**कर्बला (नाटक)**
3.	**प्रतिनिधि कहानियाँ**

इकाई -I **I. मुंशी प्रेमचन्द** -15

1. लेखक का सामान्य परिचय

इकाई -II **II. रंगभूमि (उपन्यास)** -15

1. कथावस्तु
2. पात्र एवं चरित्र चित्रण
3. पूँजीवाद के साथ जनसंघर्ष एवं बदलाव की महान गाथा
4. रंगभूमि उपन्यास में गांधी दर्शन
5. समस्याएँ

इकाई -III **III. कर्बला (नाटक)** **-15**

1. कथावस्तु
2. पात्र एवं चरित्र-चित्रण
3. रंगमंचीयता
4. उद्देश्य

इकाई -IV **IV. प्रतिनिधि कहानियाँ** -15

1. बड़े घर की बेटी
2. पूस की रात
3. कफन
4. पंच परमेश्वर
5. सदगति

REVISED SCHEME OF EXAMINATION

1.	**External Examination(Semester end Examination**	कुल अंक:-	60
2.	**Internal Examination**	कुल अंक:-	40
1.	कक्ष परीक्षा	कुल अंक:-	20
2.	कक्षा में उपस्थिति	कुल अंक:-	05
3.	कक्ष शिक्षण के दौरान सहभागिता/ शिष्टाचार एवं समग्र आचरण	कुल अंक:-	15
एम्.ए.प्रथम वर्ष सेमिस्टर III और IV के लिए प्रश्नपत्र का प्रारूप			
पेपर क्रमांक :- MAJORC9, MAJORC11 (9, 11,)			
प्रश्न 1.	पूछे गये दो दिर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित (इकाई एक)	कुल अंक:-	12
प्रश्न 2.	पूछे गये दो दिर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित (इकाई दो)		12
प्रश्न 3.	पूछे गये दो दिर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित (इकाई तीन)	कुल अंक:-	12
प्रश्न 4.	पूछे गये दो दिर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित (इकाई चार)	कुल अंक:-	12
प्रश्न 5.	वस्तुनिष्ठ प्रश्न (इकाई एक, दो, तीन, चार)	कुल अंक:-	12
	1.अतिलघुत्तरी प्रश्न -05	कुल अंक:-	06
	2.बहुविकल्पीय प्रश्न-05	कुल अंक:-	06

REVISED SCHEME OF EXAMINATION

1.	**External Examination(Semester end Examination**	कुल अंक:-	60
2.	**Internal Examination**	कुल अंक:-	40
1.	कक्ष परीक्षा	कुल अंक:-	20
2.	कक्षा में उपस्थिति	कुल अंक:-	05
3.	कक्ष शिक्षण के दौरान सहभागिता/ शिष्टाचार एवं समग्र आचरण	कुल अंक:-	15
एम्.ए.प्रथम वर्ष सेमिस्टर III और IV के लिए प्रश्नपत्र का प्रारूप			
पेपर क्रमांक :- MAJORC10,			
प्रश्न 1.	पूछे गये दो सन्दर्भ सहित व्याख्या में से एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित (इकाई एक और दो में से)	कुल अंक:-	12
प्रश्न 2.	पूछे गये दो सन्दर्भ सहित व्याख्या में से एकप्रश्न का उत्तर अपेक्षित (इकाई तीन और चार में से)	कुल अंक:-	12
प्रश्न 3.	पूछे गये दो दिर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित (इकाई एक और दो में से)	कुल अंक:-	12
प्रश्न 4.	पूछे गये दो दिर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित (इकाई तीन और चार में से)	कुल अंक:-	12
प्रश्न 5.	टिप्पणियाँ- (चार में दो) (इकाई एक, दो, तीन और चार पर)	कुल अंक:-	12

REVISED SCHEME OF EXAMINATION

1.	**External Examination(Semester end Examination**	कुल अंक:-	20
1.	कक्षा में उपस्थिति	कुल अंक:-	05
2.	इकाई तीन पर प्रात्यक्षिक के रूप में सृजनात्मक लेखन	कुल अंक:-	15
एम्.ए.द्वितीय वर्ष सेमिस्टर III के लिए प्रश्नपत्र का प्रारूप			
पेपर क्रमांक :- MAJORC12,			
प्रश्न 1.	सन्दर्भ सहित व्याख्या (ईकाई दो में से विकल्प के साथ)	कुल अंक:-	10
प्रश्न 2.	दीर्घोत्तरी प्रश्न (इकाई एक पर विकल्प के साथ)	कुल अंक:-	10
प्रश्न 3.	दीर्घोत्तरी प्रश्न (इकाई दो पर विकल्प के साथ)	कुल अंक:-	10